बुश पर जूता फेंकने वाले पत्रकार को जान का खतरा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जार्ज बुश पर जूते फेंकने वाले इराकी पत्रकार को नौ महीने की जेल की सजा काटने के बाद 15 सितम्बर को रिहा कर दिया गया।

जैदी ने पिछले साल 14 दिसम्बर अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश पर एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दोनों जूते फेंककर समूचे विश्व को सकते में डाल दिया था। इस मामले विदेशी मेहमान को अपमानित करने के आरोप में जैदी को तीन साल की सजा सुनाई गई लेकिन अच्छे आचरण की वजह से घटा कर नौ माह कर दिया गया।

अपने कारनामे से अरब और मुस्लिम जगत में वाहवाही बटोरने वाले इस टीवी पत्रकार को व्यापक समर्थन मिला और नौकरियों की बारिश शुरू हो गई। रिहा होने पर जैदी ने बताया कि जेल में उन्हें प्रताड़ना मिली है और अब उन्हें जान का खतरा है और डर है कि अमेरिकी खुफिया एजेन्सियाँ उसे फँसाने और मारने के हर संभव उपाय करेंगी। घटना के पहले जैदी अलबगदादिया चैनल में काम करता था, पर अब उसने संकेत दिया है कि वह अब इसमें काम नहीं करेगा बल्कि मजलूमों, औरतों और बच्चों की जिन्दगी को बेतहर बनाने के लिए काम करेगा। जिस टीवी चैनल के लिए जैदी काम करता था उसके बाहर संवाददाता सम्मेलन में उसने कहा, 'ये संदिग्ध एजेंसियां, अमेरिकी खुफिया एजेंसियां और उसके सहयोगी एक विद्रोही के रूप में मेरा पीछा करने में कोई कसर नहीं छोडेंगे। मुझे जान से मारने का प्रयास हो सकता है।'

जैदी ने कहा, 'यहाँ मैं अपने संबंधियों और करीबी लोगों को सावधान करना चाहता हूँ कि ये एजेंसियां मुझे फँसाने और जान से मारने के लिए हर संभव उपाय करेंगी तथा मुझे शारीरिक, सामाजिक या पेशेवर तरीके से बर्बाद करने का प्रयास किया जाएगा।

बुश की अध्यापिका बेटी बनी टीवी पत्रकार

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश की बेटी जेना हेंगर टीवी पत्रकार बन गई है। एक टेजीविजन चैनल ने हेंगर को अपना नया संवाददाता नियुक्त किया है। चैनल ने कार्यकारी निर्माता जिम बेल के मुताबिक हेंगर को महिने में कम से कम एक बार शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी रिपोर्ट देना होगी। हेंगर की रिपोर्ट को लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में भी प्रकाशित किया जायेगा।

जेना हेंगर वर्तमान में बाल्टीमोर में अध्यापिका हैं। इस नियुक्ति के बाद हेंगर ने कहा कि वह हमेशा से ही अध्यापिका या लेखिका ही बनना चाहती थी। हेंगर ने दो किताबें भी लिखी हैं। हेंगर ने कहा कि जिम बेल ने उन्हें टीवी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

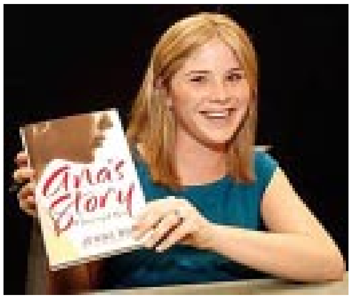

हेंगर ने कहा कि इससे ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे मैं हमेशा करने चाहती थी लेकिन मैं समझती हूँ कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज है खुले दिमाग का होना और परिवर्तन को स्वीकार करना। मैं इसे ही ध्यान में रखकर अपनी पत्रकारिता करूँगी।

ज्यादातर अमेरिकियों को मीडिया पर भरोसा नहीं

अमेरिकी मीडिया संस्था द्वारा हाल ही में किये गये शोध में यह बात सामने आयी है कि ज्यादातर अमेरिकी मानते हैं कि पत्रकार पक्षपात पूर्ण कार्य कर रहे हैं जिससे अमेरिकी मीडिया की विश्वनीयता घटती जा रही है।

पीपुल्स एण्ड द प्रेस के प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा कराए गये सर्वे के मुताबिक 63 फीसदी अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिकी मीडिया पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाता है इसकी ज्यादातर खबरे सच नहीं होती एवं पत्रकार अपना कार्य लपरवाही पूर्वक करते हैं जिसस अमेरिकी मीडिया की विश्विसनीयता घटती जा रही है।

इससे पहले अमेरिका में ऐसा सर्वे उक्त शोध संख्या ने 1985 में कराया था। उस वक्त ऐसा मानने वाले लोग 34 फीसदी थे। तकनीकी विकास एवं संचार साधनों के सुलभता के बाद भी अमेरिकी मीडिया भी लगातार कम होती विश्वसनीयता पर संस्था ने चिंता व्यक्त की है।

गूगल का ऑनलाइन न्यूज रीडर

इंटरनेट सर्च इंजन गूगल ने ऑनलाइन न्यूज रीडर 'फॉस्ट फ्लिप' शुरू किया है। इसमें बीबीसी, दी न्यूयार्क टाइम्स, दी वाशिंगटन पोस्ट और अन्य प्रमुख मीडिया स्रोतों से खबरों को शामिल किया जाएगा। गूगल ने बताया कि इसमें एक पत्रिका की तरह बिना किसी देरी के तेजी से पन्नों का पलटा जा सकेगा। ऑनलाइन पन्नों को इस प्रकार डिजाइन किया है कि पाठक एक लेख के तुरंत बाद दूसरे लेख

Google™

पर क्लिक कर सकेगा। बीबीसी और अन्य प्रमुख दैनिकों के अलावा इसमें अटलांटिक, बिजनेस वीक, कॉस्मोपोलिटन, ऐली, मैरी क्लेयर, न्यूजवीक तथा पापुलर मैकेनिक्स जैसी पत्रिकाओं की पठन सामग्री को डाला जाएगा।

मर्डोक की कंपनी को दो अरब पाउंड का घाटा

ब्रिटेन के कुछ सर्वाधिक प्रसार वाले अखबारों को ऑनलाइन मुफ्त पढ़ने के दिन जल्द ही लदने वाले हैं। मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक का टाइम्स ग्रुप अपनी ऑनलाइन खबरों व अन्य सामग्री के लिए शुल्क वसूली शुरू करने की योजना बना रहा है। ब्रिटेन के अन्य अखबार भी इस मर्डोक मॉडल को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मर्डोक ने बताया कि मौजूदा वर्ष को हालिया इतिहास में सर्वाधिक कठिन करार किया जब मंदी और विज्ञापन राजस्व में गिरावट के कारण उनकी कंपनी को दो अरब पाउंड का घाटा उठाना पड़ा। उन्होंने घोषणा की कि वे इस घाटे की भरपाई के लिए अपने अखबारों के ऑनलाइन संस्करण के उपभोक्ताओं से शुल्क वसूलने की योजना बना रहे हैं। मर्डोक ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने वितरण के अनेक नए और सस्ते तरीके दे दिए हैं और उन्हें संतोष है कि उनकी कंपनी अखबारों की अंतर्वस्तु की डिजिटल डिलवरी की बिक्री के महत्वपूर्ण तरीके निकाल सकेगी।

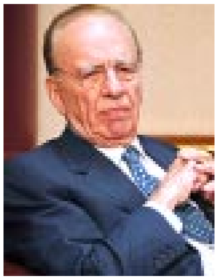

देश में सजा, विदेश में पुरस्कार

श्रीलंका की एक अदालत ने एक तमिल पत्रकार को 20 साल की लंबी सजा सुनाई है। इस पत्रकार को आतंकवादी गतिविधि निरोधक कानून एवं आपातकालीन प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया गया है।

48 वर्षीय जयप्रकाश तिस्सैनायगम 14 महीनों से हिरासत में हैं। कोलंबो हाई कोर्ट ने उन्हें 20 साल की सजा सुनाई है। न्यायाधीश दीपाली विजेसुंदरा ने जयप्रकाश के वकील की दलीलों को खारिज करते हुए उन्हें सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उन पर सांप्रादायिक, जातीय और नस्ली दुर्भावना से प्रेरित होकर आलेख प्रकाशित करने का आरोप है। अदालत ने कहा कि जयप्रकाश का अपराध गंभीर श्रेणी में आता है, इसलिए उनके प्रति नरमी नहीं बरती जा सकती । जयप्रकाश ने नॉर्थ ईस्टर्न हेराल्ड नामक अखबार में ये आलेख लिखे थे। उनके वकील ने इस निर्णय को चुनौती देने की घोषणा की है।

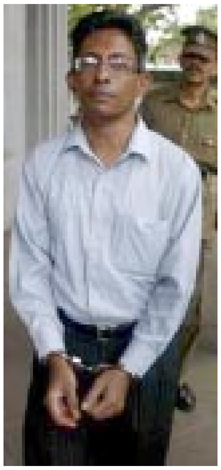

दूसरी ओर तिस्सैनयगम को दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुना गया है। ग्लोबल मीडिया फोरम और रिपोर्टर्स विदआउट बोर्डर्स की अमेरिकी शाखा ने पीटर मैकलर अवार्ड फॉर करेजियस एण्ड इथिकल जर्नलिज्म के पहले विजेता के रूप में जयप्रकाश तिस्सैनयगम के नाम की घोषणा की। स्थानीय अखबार संडे टाइम्स के लिए काम करने वाले तिस्सैनयगम देश की तमिल आबादी को केन्द्र में रखकर एक वेबसाइट भी चला रहे थे। कोलंबो हाईकोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि तिस्सैनयगम को आतंकवाद को समर्थन करने के लिए और जातीय घृणा फैलाने का दोषी पाया गया है। रिपोर्टर्स विदआउट बोर्डर्स के महासचिव जीन-फ्रैंकोइस जूलियर्ड ने कहा, हम तिस्सैनयगम को सम्मानित करके खुश हैं।

रीडर्स डाइजेस्ट दिवालिया

दुनिया की सबसे ज्यादा प्रसार वाली पत्रिका रीडर्स् डाइजेस्ट वित्तीय संकट में है और अमेरिका में ऋणदाताओं से कानूनी संरक्षण के लिए अपने को दिवालिया घोषित किए जाने का आवेदन करने का फैसला किया है। हालाँकि कंपनी का कहना है कि उसके इस निर्णय से अमेरिका के बाहर उसके कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। रीडर्स डाइजेस्ट की बिक्री भारत सहित दुनिया के करीब एक दर्जन देशों में होती है।

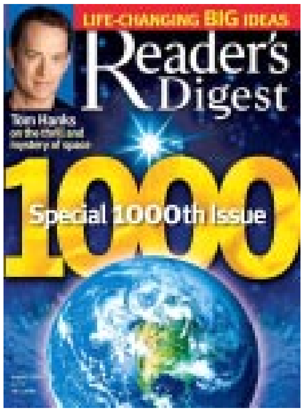

कंपनी ने एक बयान में कहा है कि ऐसा करने के पीछे उसका उद्देश्य ऋण का बोझ कम करना है। कंपनी अपना ऋणभार 75 फीसदी तक घटना चाहती है ताकि भविष्य की वित्तीय स्थिति मजबूत की जा सके। रीडर्स डाइजेस्ट एसोसिएशन एक बहु ब्रांड मीडिया और मार्केटिंग कंपनी है और दुनिया के 44 देशों में इसके कार्यालय हैं। यह कंपनी किताबें, पत्रिकाएं, संगीत, वीडियो और शिक्षा उत्पाद बेचती है। दुनिया के 78 देशों में कंपनी के ग्राहकों की संख्या 13 करोड़ है।

आरडीए द्वारा 94 पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है, जिसमें रीडर्स डाइजेस्ट के 50 संस्करण हैं। यह दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसार वाली पत्रिका है। आरडीए द्वारा हर साल करीब 4 करोड़ पुस्तकों म्यूजिक और वीडियो उत्पादों की बिक्री की जाती है।

कंपनी ने कहा कि उसका अपने ऋणदाताओं के साथ उसके ऋण को 2.2 अरब डॉलर से घटाकर 55 करोड़ डॉलर पर करने के लिए सैद्धांतिक समझौता हुआ है और उसकी ऋणों को शेयर भागीदारी में पुनर्गठन को ज्यादातर ऋणदाताओं का समर्थन हासिल है।

डॉ. पवित्र श्रीवास्तव